नवभारत
भोपाल, रविवार, 24 मई, 2026

भीषण गर्मी : छतरपुर जिले में लू का प्रकोप

■ नौगांव और खजुराहो में पारा 46 डिग्री पार ■ दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बरतें विशेष सावधानी

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी और तपिश का दौर लगातार जारी है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम पूरी तरह शुष्क रहा.

बुंदेलखंड के छतरपुर जिले में तीव्र 'लू' का प्रभाव दर्ज किया गया है, जिसके चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है. इसके अलावा छिंदवाड़ा जिले में भी रातें बेहद गर्म रिकॉर्ड की गईं. खजुराहो और नौगांव रहे सबसे गर्म, सामान्य से 2.5 डिग्री तक बढ़ा तापमान मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई विशेष बड़ा बदलाव तो नहीं हुआ है, लेकिन रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभागों के जिलों में पारा सामान्य से 2 से 2.5 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया.

पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस खजुराहो और नौगांव (छतरपुर) में रिकॉर्ड किया गया, जिसने लोगों को झुलसने पर

मजबूर कर दिया. वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में दर्ज हुआ. मौसम विभाग ने इस स्थिति को देखते हुए नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं.

पशु पालकों के लिए जरूरी सलाह

मौसम विभाग ने पशुपालकों के लिए विशेष एडवायजरी जारी की है. इसमें पशुओं की सुरक्षा के लिए निम्नलिखित गाइडलाइंस दी गई हैं :
छायादार स्थान : पशुओं को हमेशा सीधे धूप से बचाकर छायादार और हवादार स्थानों पर ही बांधें.
साफ पानी : मवेशियों के शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए दिन में कम से कम 3 से 4 बार साफ और ठंडा पानी पीने को दें.
पोषण का ध्यान : पशुओं के दैनिक आहार में खनिज मिश्रण (मिनरल मिक्चर) और नमक जरूर मिलाएं ताकि उनके शरीर में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे. दोपहर में सावधानी : दोपहर 12 :00 बजे से लेकर शाम 4 :00 बजे के बीच पशुओं को चरने के लिए बाहर बिल्कुल न ले जाएं.
पानी का छिड़काव : गर्मी के तनाव (हीट स्ट्रेस) को कम करने के लिए समय-समय पर पशुओं के ऊपर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहें.

बागेश्वर धाम से लौट रहे बुजुर्ग तीर्थयात्री की मौत

भीषण गर्मी में बिगड़ी तबीयत

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. जिले में जारी भीषण गर्मी और जानलेवा लू के बीच बागेश्वर धाम के दर्शन कर लौट रहे एक 67 वर्षीय बुजुर्ग तीर्थयात्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई.

मृतक मूल रूप से रीवा जिले के रहने वाले थे और अपने परिवार व

एंबुलेंस नहीं मिलने से ऑटो से 12 किमी दूर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे

ग्रामीणों के साथ चारधाम यात्रा पर निकले थे. ओरछा जाते समय रास्ते में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल सका. परिजन एक बैटरी वाले ऑटो रिक्शा से उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी. प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान भाई लाल तिवारी (67) निवासी रीवा के रूप में हुई है, जो एक रिटायर्ड शासकीय कर्मचारी थे. वे अपने परिवार और क्षेत्र के करीब 40 से 45 लोगों के जत्थे के साथ 21 मई को चारधाम यात्रा के लिए घर से रवाना हुए थे. शुक्रवार को पन्ना में दर्शन करने के बाद यह पूरा जत्था दोपहर के समय छतरपुर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बागेश्वर धाम पहुंचा था.

> मृतक की पत्नी गायत्री तिवारी, दामाद दिनेश शर्मा और जीजा प्रभाकर दुबे ने बताया कि ओरछा मार्ग पर रास्ते में बस को रोककर सभी सहयात्री खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे. इसी दौरान लाल तिवारी की तबीयत अचानक बेहद खराब हो गई. उन्हें तेज बुखार के साथ घबराहट और शरीर में तेज कंपकंपी होने लगी. परिजनों ने तत्काल प्राथमिक उपचार के तौर पर उन्हें नींबू पानी पिलाया और राहत देने के लिए माथे पर गीली पट्टियां भी रखीं, लेकिन अत्यधिक गर्मी के कारण उनके शरीर का तापमान लगातार बढ़ता ही चला गया.

खुले में पड़ा 3 .5 लाख क्विंटल गेहूं

समर्थन मूल्य पर खरीदी, लक्ष्य से अधिक आवक

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के दौरान परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाने का एक बड़ा मामला सामने आया है.

निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक गेहूं की खरीदी तो कर ली गई है, लेकिन समय पर उठाव (परिवहन) न होने के कारण आज भी हजारों क्विंटल गेहूं उपार्जन केंद्रों में खुले आसमान के नीचे

परिवहन ठेकेदार की लापरवाही से केंद्रों पर तुलाई ठप

वेयरहाउस अधिकारी पर सांठगांठ के आरोप

भीगने की कगार पर है. इस बदइंतजामी को लेकर समिति प्रबंधकों और किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है, लेकिन जिला प्रशासन अब तक मौन साधे हुए है.

किसानों से गेहूं खरीदने के लिए जिले में 80 उपार्जन केंद्र बनाए गए थे, जहाँ से खरीदे गए अनाज को वेयरहाउसों तक पहुँचाने का जिम्मा 'माहेश्वरी रोड लाइंस' को ठेके पर दिया गया था. आरोप है कि परिवहनकर्ता द्वारा लगातार घोर लापरवाही बरती जा रही है और पिछले 2 दिनों से ठेकेदार की एक भी गाड़ी केंद्रों पर नहीं पहुँची है. परिवहन न होने के कारण अधिकांश केंद्रों पर अब नया गेहूं रखने की जगह नहीं बची है, जिससे तुलाई का काम पूरी तरह ठप हो गया है. किसान भारी किराया देकर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर केंद्रों पर पहुँच रहे हैं, लेकिन तुलाई न होने से उन्हें कई दिनों तक वहीं डेरा डालना पड़ रहा है. यदि इस बीच मौसम बिगड़ा और बारिश हुई, तो खुले में रखा करोड़ों का अनाज नष्ट हो जाएगा.

प्रशासन के अपने सरकारी आंकड़े ही इस बदइंतजामी की पोल खोल रहे हैं. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जिले के केंद्रों पर लगभग साढ़े 3 लाख क्विंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है. अब तक 11 लाख 11 हजार 239 क्विंटल गेहूं का परिवहन कर वेयरहाउसों में रखवाया जा चुका है, लेकिन इसमें भी एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है. सूत्रों और समिति प्रबंधकों का आरोप है कि इस वर्ष परिवहन की कमान वेयरहाउस के एक रसूखदार अधिकारी (जिन्हें विभाग में 'पंडित जी' कहा जाता है) के हाथों में है. आरोप है कि 'पंडित जी' की कथित मेहरबानी के चलते लगभग 50 प्रतिशत ऐसा गेहूं भी वेयरहाउसों में स्टोर कर लिया गया है जो एफएक्यू (स्वच्छ) यानी मानक क्वालिटी का नहीं है.

शासन ने इस बार छतरपुर जिले के लिए 8 लाख 20 हजार क्विंटल गेहूं खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया था. परंतु, इस वर्ष बंपर आवक के चलते आज दिनांक तक 14 लाख 54 हजार 946 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है, जो लक्ष्य से 6 लाख क्विंटल से भी ज्यादा है. जिले में पंजीकृत 35 हजार 141 किसानों में से लगभग 5 हजार किसानों का गेहूं तुला जाना अभी शेष है.

> **इनका कहना है**
> 'परिवहनकर्ता (ठेकेदार) की लापरवाही को देखते हुए हमारे द्वारा अब तक उन्हें 8 बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं. इसके साथ ही, जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को भी जमीनी और परिवहन संबंधी समस्याओं से अवगत करा दिया गया है. बहुत जल्द परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त कर गेहूं का सुरक्षित उठाव सुनिश्चित किया जाएगा.'
> **- अभिषेक जैन, प्रभारी, जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, छतरपुर**

एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन, फूंका पुतला

नवभारत न्यूज
छतरपुर नगर, 23 मई. महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में आयोजित बीएड परीक्षा के दौरान 'मुन्ना भाई' की तर्ज पर फर्जी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा दिलाने का एक बेहद गंभीर मामला सामने

बीएड परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाने का आरोप

आया है. परीक्षा में बड़े स्तर पर हुई इस कथित गड़बड़ी और फर्जीवाड़े की खबर फैलते ही छतरपुर की छात्र राजनीति पूरी तरह गरमा गई है.

इस धांधली के विरोध में शनिवार दोपहर करीब 1:00 बजे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने

विश्वविद्यालय परिसर में इकट्ठा होकर जोरदार हंगामा किया. छात्रों का आरोप है कि परीक्षा में मूल परीक्षार्थियों की जगह पैसों के दम पर डमी (फर्जी) कैंडिडेट्स को बैठाया गया था, जो सीधे तौर पर योग्य छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है. यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाते हुए बीच सड़क पर पुतला फूंका. प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराने के साथ-साथ दोषियों और इस रैकेट में शामिल कॉलेज प्रबंधन पर सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है.

बिना सर्वेयर के हुई अनाज की तौल

छतरपुर, 23 मई. शनिवार शाम 4 बजे चंदला मंडी से अनाज उपार्जन में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है. यहाँ मंडी में कार्यपालिका अधिकारी की मौजूदगी में किसानों की फसल का वजन तो कराया जा रहा था, लेकिन मौके से 'सर्वेयर' पूरी तरह गायब थे. एक सामने आए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि तौल के दौरान काफी अनाज नीचे गिरकर बर्बाद हो रहा है. बिना सर्वेयर के हो रही इस मनमानी और अनाज के नुकसान को देखकर किसान बेहद चिंतित हैं. किसानों को डर है कि इस बदइंतजामी के कारण उन्हें अपनी फसल का पूरा दाम नहीं मिल पाएगा.

देशी कट्टा, कारतूस के साथ शातिर बदमाश गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. एसपी रजत सकलेचा के निर्देश पर छतरपुर पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है. इसी कड़ी में लवकुशनगर थाना पुलिस ने

लवकुशनगर में पुलिस की कार्रवाई

मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी को देशी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है.

पुलिस अब अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले मुख्य सोर्स का पता लगाने और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की धर-पकड़ में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर थाना पुलिस की टीम जब क्षेत्र में गश्त पर थी, तभी उन्हें छतरपुर रोड पर स्थित एक ढाबे के पास अवैध हथियार होने की पुख्ता सूचना मिली. खबर मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची. वहाँ एक पेड़ के नीचे खड़े एक संदिग्ध व्यक्ति ने जैसे ही पुलिस की गाड़ी देखी, उसने मौके से भागने की कोशिश की. लेकिन पुलिस टीम ने चारों तरफ से घेराबंदी करके उसे धर दबोचा. पकड़े गए संदेही की जब तलाशी ली गई, तो उसके पास से 315 बोर का एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ. हथियार जब्त करने के बाद पुलिस ने आरोपी बृजबिहारी उर्फ मुटका (पिता रघुबीर विश्वकर्मा) को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी मूल रूप से ग्राम बेडी का रहने वाला है और वर्तमान में लवकुशनगर की वार्ड नंबर 3 स्थित सिंचाई कॉलोनी में रह रहा था. इस पूरी कार्रवाई में एसडीओपी नवीन दुबे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अजय अम्बे, प्रधान आरक्षक रामकृपाल, अनीश अहमद और आरक्षक ब्रजराज, नरेन्द्र व कुलदीप की मुख्य भूमिका रही.

> पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लवकुशनगर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पकड़ा गया आरोपी पहले से ही अवैध हथियार रखने और मारपीट के 2 गंभीर अपराधों में शामिल रहा है. कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है.

'एक जिला एक उत्पाद' कार्यशाला

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. जिले की पारंपरिक कला, काष्ठ शिल्प (वुड क्रॉफ्ट) और फर्नीचर उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए 'एक जिला एक उत्पाद' विषय पर जिला स्तरीय

मुख्य अतिथि थे कलेक्टर पार्थ जैसवाल

कार्यशाला का आयोजन एक निजी होटल में किया गया. इस कार्यक्रम में उद्योग, निर्यात, ई-कॉमर्स और जीआई टैगिंग से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत रोडमैप साझा किया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि छतरपुर सिर्फ अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि अपने कुशल शिल्पकारों के लिए भी जाना जाता है.

वर्तमान दौर डिजिटल बाजार का है, इसलिए स्थानीय उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़कर 'वोकल फॉर लोकल' को 'लोकल टू ग्लोबल' में बदलना समय की मांग है. उन्होंने शिल्पकारों से गुणवत्ता, आधुनिक पैकेजिंग और ऑनलाइन मार्केटिंग अपनाने की अपील की. कार्यशाला में मौजूद एमपीआईआईडीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रतुल चंद्र सिन्हा ने निवेश की संभावनाओं और सरकारी अनुदानों की जानकारी दी.

छत का किनारा टूटने से गिरे अधेड़ की मौत

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में शनिवार सुबह एक हादसा सामने आया है. यहाँ अपने घर की छत पर

छतरपुर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में हादसा

कपड़े उठाने गए एक 52 वर्षीय अधेड़ की अनियंत्रित होकर नीचे सीमेंटेड सड़क पर गिरने से मौत हो गई. कपड़े फटकारते समय अचानक टूटा छत का किनारा, नीचे सड़क पर आ गिरे.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मोहम्मद सिद्धिक (52) पिता स्वर्गीय चंद वेग, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रूप में हुई है. परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 8:00 बजे मोहम्मद सिद्धिक रोजमर्रा की तरह अपने घर की छत पर सूख रहे कपड़े उठाने के लिए गए हुए थे. इसी दौरान जब वे एक कपड़े को फटकार रहे थे, तभी उनका पैर छत के मुंडेर (किनारे) पर लगी एक कमजोर और टूटी हुई ईंट पर पड़ गया. अचानक ईंट खिसकने से उनका संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया और वे संभल नहीं पाए. संतुलन खोने के कारण वे सीधे ऊंचाई से नीचे बनी सीमेंट की पक्की सड़क पर जा गिरे.

डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

परिजन और स्थानीय लोग बिना समय गंवाए उन्हें तत्काल एक ई-रिक्शा की मदद से जिला अस्पताल लेकर भागे. अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने उनका त्वरित परीक्षण किया, लेकिन सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की लिखित सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस की टीम जिला अस्पताल और घटना स्थल पर पहुंची. पुलिस ने मर्ग कायम किया और पंचनामा की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया जाएगा. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

144 वाहनों के बने चालान

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 23 मई. पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोक परिवहन (पब्लिक ट्रांसपोर्ट) सहित अन्य वाहनों में सुरक्षा मानकों को पक्का करने के लिए छतरपुर में एक विशेष अभियान शुरू किया गया है.

यातायात पुलिस और आरटीओ टीम का संयुक्त अभियान

इसके तहत छतरपुर यातायात पुलिस और आरटीओ की टीम आपसी तालमेल के साथ सड़कों पर उतरकर वाहनों की सघन चेकिंग कर रही है. पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में चल रहा यह विशेष चेकिंग अभियान कुल 7 दिनों तक चलाया जाएगा.

इस अभियान के शुरुआती 2 दिनों के भीतर ही छतरपुर पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और तय मानकों के खिलाफ चल रहे 144 लोक परिवहन वाहनों पर कड़ी चालानी कार्रवाई की है. पुलिस और आरटीओ की संयुक्त टीम द्वारा शहर के मुख्य रास्तों और चौराहों पर नाकेबंदी कर वाहनों को लगातार चेक किया जा रहा है. इस कार्रवाई से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है. सड़क सुरक्षा से जुड़े इस अभियान के दौरान पुलिस मुख्य रूप से बसों में आग बुझाने वाले यंत्र (अग्निशमन उपकरण) और फर्स्ट एड मेडिकल किट की मौजूदगी की जांच कर रही है. इसके साथ ही बसों में क्षमता से अधिक सवारी (ओवरलोडिंग) न बैठी हो और आपातकालीन खिड़की (इमरजेंसी विंडो) एकदम सही हालत में हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है.

> चेकिंग टीम वाहनों के वैध दस्तावेज जैसे ड्राइविंग लाइसेंस और इंश्योरेंस की भी बारीकी से जांच कर रही है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चालक और परिचालक के नशे में होने की जांच की जा रही है, साथ ही उनसे यात्रियों के प्रति शालीन और मानवीय व्यवहार रखने की समझाइश दी जा रही है.

प्रशिक्षण — छात्राओं ने दीवारों पर मनमोहक पेंटिंग्स बनाकर स्कूल को दिया नया लुक

पीएम श्री कन्या स्कूल में समर कैंप का समापन

नवभारत न्यूज
बक्सवाहा/छतरपुर, 23 मई. बक्सवाहा के पीएम श्री शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में पिछले 1 महीने से संचालित समर कैंप का बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ.

इस विशेष शिविर के दौरान छात्राओं ने चित्रकला, संगीत, डांस, स्पोकन इंग्लिश और खेल जैसी विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया. कैंप के अंतिम दिन बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई अद्भुत रचनात्मकता और प्रतिभा की सभी उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना की.

दीवारों पर उकेरी कला, स्कूल परिसर हुआ रंगीन

समर कैंप में विशेष रूप से आमंत्रित स्केचिंग आर्टिस्ट आस्था जैन ने छात्राओं को पेंटिंग, स्केचिंग और चित्रकला की बारीकियां सिखाईं. उनके कुशल मार्गदर्शन का ही परिणाम रहा कि छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय परिसर की नीरस दीवारों को खूबसूरत और प्रेरणादायक चित्रों से सहेज दिया. छात्राओं द्वारा बनाई गई इन सजीव कलाकृतियों से पूरा स्कूल परिसर बेहद रंगीन और आकर्षक नजर आने लगा है. खास बात यह है कि इन चित्रों के जरिए छात्राओं ने स्वच्छता, शिक्षा का महत्व और पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर सामाजिक संदेश भी बखूबी दिए हैं.

> **कला और सांस्कृतिक गतिविधियां जरूरी**
> शिविर के समापन पर प्रशिक्षण देने वाली आर्टिस्ट आस्था जैन ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छिपे आत्मविश्वास और उनकी रचनात्मक सोच को नई उड़ान देने का एक सशक्त माध्यम है. वहीं विद्यालय के प्राचार्य अरविंद तिवारी ने ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच देने के साथ-साथ उनमें अनुशासन सिखाते हैं.